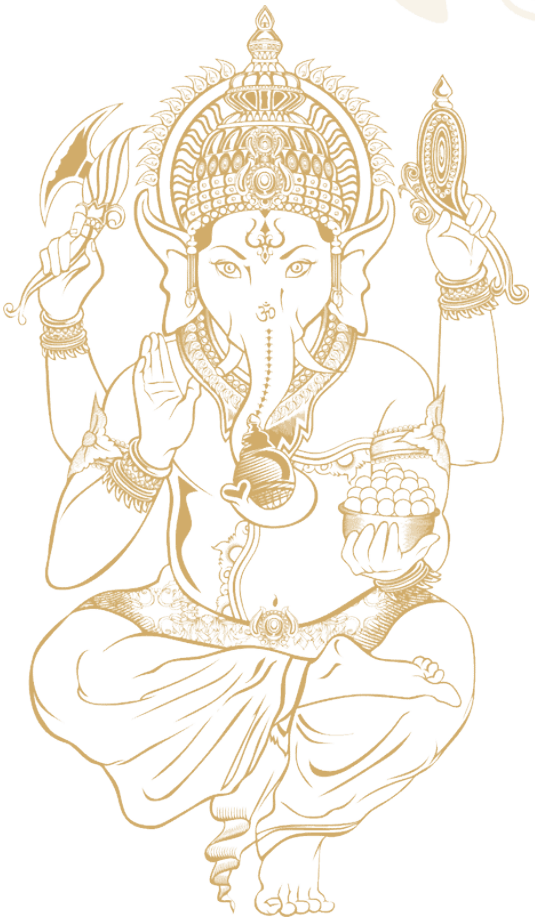

Ashish

Sonam

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121746303

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/08/1989	जन्म तिथि	4-05/11/1989
मंगलवार	दिन	शनि-रविवार
घंटे 06:18:00	जन्म समय	05:56:00 घंटे
घटी 00:59:50	जन्म समय(घटी)	58:21:26 घटी
India	देश	India
New Delhi	स्थान	Delhi
28:36:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:12:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:12	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:54:04	सूर्योदय	06:35:25
18:54:38	सूर्यास्त	17:33:51
23:42:55	चित्रपक्षीय अयनांश	23:43:04

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 0वर्ष 7मा 26दि	09:33:27	सिंह	लग्न	तुला	09:26:36	सूर्य 4वर्ष 5मा 24दि
चन्द्र	05:12:08	सिंह	सूर्य	तुला	18:51:10	राहु
17/04/2016	12:05:11	मेष	चंद्र	मक	00:02:13	01/05/2011
18/04/2026	17:58:14	सिंह	मंगल	तुला	06:48:40	30/04/2029
चन्द्र 16/02/2017	01:22:21	कन्या	बुध	तुला	15:17:26	राहु 11/01/2014
मंगल 17/09/2017	10:29:28	मिथु	गुरु व	मिथु	17:04:36	गुरु 05/06/2016
राहु 19/03/2019	10:58:58	कन्या	शुक्र	धनु	05:51:53	शनि 12/04/2019
गुरु 18/07/2020	13:54:58	धनु व	शनि	धनु	15:55:17	बुध 30/10/2021
शनि 16/02/2022	02:05:20	कुंभ व	राहु व	मक	28:05:51	केतु 17/11/2022
बुध 18/07/2023	02:05:20	सिंह व	केतु व	कर्क	28:05:51	शुक्र 17/11/2025
केतु 17/02/2024	07:46:24	धनु व	हर्ष	धनु	08:54:12	सूर्य 12/10/2026
शुक्र 17/10/2025	16:08:02	धनु व	नेप	धनु	16:25:56	चन्द्र 12/04/2028
सूर्य 18/04/2026	18:54:19	तुला	प्लूटो	तुला	21:17:30	मंगल 30/04/2029

लग्न-चलित

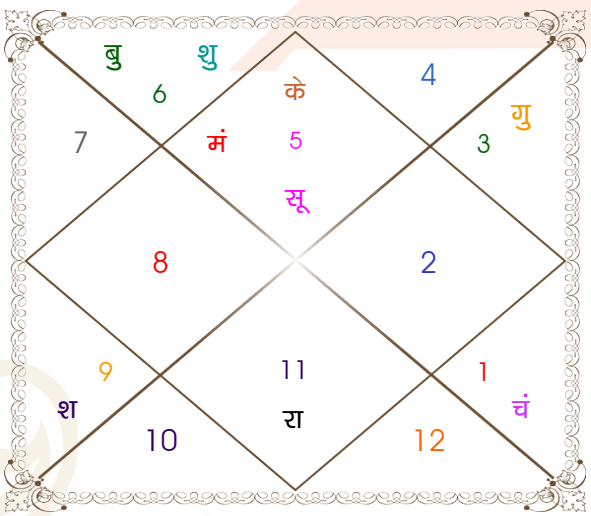

लग्न-चलित

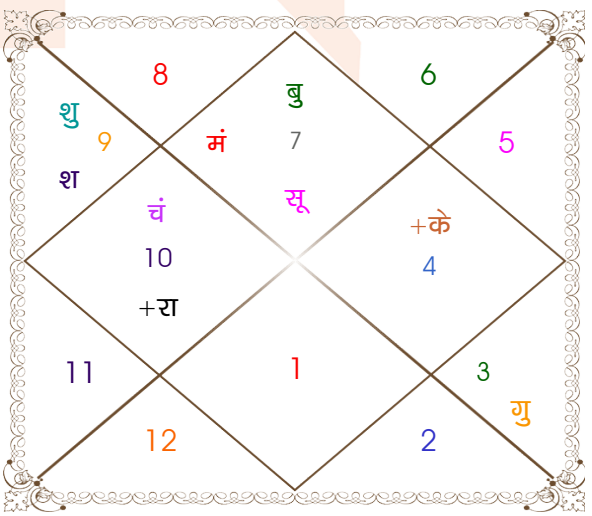

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Ashish का वर्ग मृग है तथा Sonam का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Ashish और Sonam का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Ashish मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Sonam मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Sonam कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Ashish तथा Sonam में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।